

INSPECTOR BABA – INDIA'S NEW CRIMINAL LAWS

BNS/BNSS/BSA



(With Theory+All Imp PYQs in Bilingual Format)

For more such relevant PDFs,

JOIN - https://t.me/Inspectorbaba_Official

YouTube –

<https://youtube.com/@inspectorbabaoofficial>

For All Important SSC Updates Join –

https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES

INDIA'S NEW CRIMINAL LAWS - BNS/BNSS/BSA

[HTTPS://T.ME/INSPECTORBABA OFFICIAL](https://t.me/inspectorbabaofficial)

❖ OVERVIEW:

- दिसंबर 2023 में, भारत सरकार ने देश की आपराधिक न्याय प्रणाली के ऐतिहासिक और व्यापक परिवर्तन को मंजूरी दी। इस सुधार में औपनिवेशिक युग के कानूनों- भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (IEA), 1872 को बदलना शामिल है।—तीन नए कानूनों के साथ
- **भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023:** भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 की जगह लेगी। यह विभिन्न अपराधों को परिभाषित करता है और दंड निर्धारित करता है, जो मूल आपराधिक कानून पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023:** आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC), 1973 की जगह लेती है। यह जांच, गिरफ्तारी, अभियोजन और जमानत की प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करती है।
- **भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA), 2023:** भारतीय साक्ष्य अधिनियम (IEA), 1872 का स्थान लेता है। यह अदालत में सबूत कैसे प्रस्तुत और स्वीकार किए जाते हैं, इसके लिए नियम और मानक स्थापित करता है। इसमें 35 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और 640 जिलों को शामिल किया गया।
 - ये कानून **1 जुलाई, 2024** को पूरी तरह से लागू हो गए। इस विधायी परिवर्तन के प्राथमिक लक्ष्य हैं:
 - आधुनिकीकरण: औपनिवेशिक अवशेषों को हटाना और अपराध की परिभाषाओं को अद्यतन करना।
 - नागरिक-केंद्रितता: एक न्याय प्रणाली बनाना जो लोगों की जरूरतों पर केंद्रित हो।
 - दक्षता: तेज़ कानूनी प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम ढांचे को लागू करना।
 - डिजिटल एकीकरण: डिजिटल युग के लिए आवश्यक आवश्यकताओं को शामिल करना।

❖ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023:

- **प्रतिस्थापन** : भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860
- **कुल अनुभाग** : 358 (पहले 511)
- **उद्देश्य**: औपनिवेशिक आईपीसी को एक न्याय-केंद्रित, पीड़ित-उन्मुख कोड के साथ बदलकर भारत के आपराधिक कानून को उपनिवेशवाद से मुक्त और आधुनिक बनाना जो निष्पक्षता और पुनर्वास के प्रौद्योगिकी और भारतीय मूल्यों का उपयोग करता है।

❖ प्रमुख विशेषताएं:

1. संरचनात्मक और दार्शनिक बदलाव :

- **उपनिवेशवाद और आधुनिकीकरण**: BNS का उद्देश्य औपनिवेशिक अवशेषों को हटाना है, एक प्रतिशोध-केंद्रित ढांचे को न्याय-केंद्रित (न्याय) दृष्टिकोण से बदलना है।
- **सुव्यवस्थित संरचना**: धाराओं की कुल संख्या **आईपीसी के 511 से घटकर 358** हो गई है।
- **कमजोर समूहों के लिए प्राथमिकता**: महिलाओं और बच्चों के **खिलाफ अपराधों को** सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और एक समर्पित अध्याय V में पाठ की शुरुआत में प्रमुखता से रखा गया है।

2. नए अपराधों की शुरुआत :

- **आतंकवाद (धारा 113)**: दंड संहिता के भीतर पहली बार स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिसमें भारत की एकता, अखंडता या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाले कृत्यों को शामिल किया गया है।
- **संगठित अपराध (धारा 111)**: अपहरण, जबरन वसूली, अनुबंध हत्या और वित्तीय अपराधों में शामिल अपराध सिंडिकेट से निपटने के लिए एक स्टैंडअलोन अपराध के रूप में पेश किया गया।
- **मॉब लिंग (धारा 103 (2))**: पहचान या विश्वास के आधार पर पांच या अधिक व्यक्तियों के समूह द्वारा की गई हिंसा को स्पष्ट रूप से अपराध बनाता है, जिसमें आजीवन कारावास से लेकर मौत तक की सजा होती है।
- **शादी करने का झूठा वादा (धारा 69)**: विशेष रूप से विवाह, नौकरी या छिपी हुई पहचान के धोखे के वादों के माध्यम से प्राप्त यौन संबंधों को अपराध बनाता है।

- **स्नैचिंग (धारा 304):** चोरी के एक गंभीर रूप के रूप में मान्यता प्राप्त है और इसकी अपनी विशिष्ट कानूनी परिभाषा दी गई है।
- **फर्जी खबर:** झूठी जानकारी फैलाने पर जुर्माना लगाता है जो अशांति पैदा कर सकता है या राष्ट्रीय संप्रभुता को खतरे में डाल सकता है।

3. निरसित या संशोधित प्रावधान:

- **राजद्रोह का निरसन:** राजद्रोह के औपनिवेशिक युग के अपराध (धारा 124A IPC) को निरस्त कर दिया गया है और "देशद्रोह" (धारा 152) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों पर केंद्रित है।
- **पुरातन कानूनों को हटाना:** आधुनिक न्यायिक फैसलों के अनुरूप व्यभिचार और धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) को हटा दिया गया है। "ठग" जैसी अप्रचलित श्रेणियां भी हटा दी गई हैं।
- **विरोध के लिए आत्महत्या का प्रयास (धारा 224):** विशेष रूप से सार्वजनिक अधिकारियों को मजबूर करने या धमकी देने के लिए एक उपकरण के रूप में आत्महत्या के प्रयास के उपयोग को लक्षित करता है, जो सामुदायिक सेवा द्वारा दंडनीय है।

4. दंड में सुधार :

- **सामुदायिक सेवा:** भारतीय आपराधिक कानून में पहली बार मामूली या छोटे अपराधों के लिए सजा के रूप में पेश किया गया।
- **अनिवार्य न्यूनतम वाक्य:** कुछ गंभीर अपराधों में अब न्यायिक एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य न्यूनतम दंड का प्रावधान है।
- **गंभीर अपराधों के लिए कठोर दंड:** नाबालिग के साथ सामूहिक बलात्कार जैसे अपराधों के लिए सजा को बढ़ाकर आजीवन कारावास या मौत की सजा दे दी गई है।
- **संपत्ति के नुकसान के लिए श्रेणीबद्ध जुर्माना:** विरोध प्रदर्शनों या दंगों के दौरान संपत्ति को नुकसान के लिए स्तरीय दंड और जुर्माना अब इरादे और क्षति के मूल्य पर आधारित है।

5. लैंगिक तटस्थता पर ध्यान दें:

- **व्यापक सुरक्षा:** जबकि बलात्कार एक लिंग-विशिष्ट अपराध बना हुआ है, अन्य यौन अपराध अब सभी लिंगों में व्यापक सुरक्षा प्रदान करने के लिए लिंग-तटस्थ शब्दावली का उपयोग करते हैं।

❖ भारती राष्ट्रीय साक्षरता साक्षरता (BNSS), 2023:

- **प्रतिस्थापन :** दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC), 1973
- **कुल अनुभाग:** 531 (177 संशोधित, 9 नए, 14 निरस्त)
- **उद्देश्य:** प्रौद्योगिकी संचालित, पारदर्शी, समयबद्ध और पीड़ित-केंद्रित न्याय प्रणाली के माध्यम से भारत की आपराधिक प्रक्रिया को आधुनिक बनाना।

❖ प्रमुख विशेषताएं:

1. डिजिटल एकीकरण और प्रौद्योगिकी :

- **इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाएं:** बीएनएसएस जांच, पूछताछ और परीक्षण के सभी चरणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक मोड के उपयोग को अनिवार्य करता है।
- **ई-एफआईआर और जीरो एफआईआर:** संज्ञेय अपराधों को अब इलेक्ट्रॉनिक रूप से (ई-एफआईआर) रिपोर्ट किया जा सकता है, बशर्ते उन पर तीन दिनों के भीतर शारीरिक रूप से हस्ताक्षर किए गए हों। इसके अतिरिक्त, **जीरो एफआईआर को** संहिताबद्ध किया गया है, जिससे पीड़ितों को अधिकार क्षेत्र की परवाह किए बिना किसी भी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज करने की अनुमति मिलती है।
- **अनिवार्य वीडियोग्राफी:** सभी खोज और जब्ती अभियान ऑडियो-वीडियो रिकॉर्ड किए जाने चाहिए। यदि ये रिकॉर्डिंग मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत नहीं की जाती है तो आरोपपत्र अवैध माने जाते हैं।
- **डिजिटल उपकरण:** डिजिटल एकीकरण का समर्थन करने के लिए ई-साक्षी (अपराध स्थल के साक्ष्य रिकॉर्ड करने के लिए) और ई-प्रमाण (साक्ष्य प्रबंधन के लिए) जैसे विशिष्ट अनुप्रयोग पेश किए गए हैं।

2. फॉरेंसिक जांच :

- **फॉरेंसिक जनादेश:** साक्ष्य की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सात साल या उससे अधिक कारावास की सजा वाले सभी अपराधों के लिए **फॉरेंसिक जांच अब अनिवार्य है।**

3. त्वरित न्याय और अनिवार्य समयसीमा:

- **जांच:** आम तौर पर 90 दिनों के भीतर (और महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए दो महीने के भीतर) पूरा किया जाना चाहिए।

- **आरोप तय करना:** अदालतों को पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय करने का काम पूरा करना आवश्यक है।
- **निर्णय वितरण:** आदर्श रूप से तर्क के समापन के 30 से 45 दिनों के भीतर निर्णय दिया जाना चाहिए।
- **सीमित स्थगन:** प्रति मामले में अधिकतम दो स्थगन की अनुमति देकर परीक्षण में देरी को प्रतिबंधित किया जाता है।

4. पीड़ितों और गवाहों के अधिकार :

- **सूचना तक पहुंच:** पीड़ित एफआईआर, पुलिस रिपोर्ट और चार्जशीट की मुफ्त प्रतियां प्राप्त करने के हकदार हैं।
- **जांच अपडेट:** पुलिस को पीड़ितों को 90 दिनों के भीतर जांच की प्रगति के बारे में अपडेट प्रदान करना होगा।
- **गवाह संरक्षण:** प्रत्येक राज्य सरकार को गवाह संरक्षण योजना लागू करने के लिए अनिवार्य है।
- **सुनवाई का अधिकार:** अभियोजन पक्ष द्वारा किसी भी आपराधिक मामले को वापस लेने से पहले पीड़ितों को सुनवाई दी जानी चाहिए।

5. जमानत और हिरासत सुधार :

- **पहली बार अपराधी:** जो व्यक्ति पहली बार अपराधी हैं, उन्हें उनकी अधिकतम सजा का एक तिहाई हिस्सा काटने के बाद बांड पर रिहा किया जाना चाहिए।
- **पुलिस हिरासत:** संहिता 15 दिनों तक की पुलिस हिरासत की अनुमति देती है, जिसे हिरासत के पहले 40 या 60 दिनों के भीतर रुक-रुक कर लिया जा सकता है।
- **गिरफ्तारी का विकल्प:** उपयुक्त मामलों में, एक आरोपी व्यक्ति को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने के बजाय सुरक्षा बांड प्रदान करने की अनुमति दी जा सकती है।

6. प्रक्रियात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन:

- **सारांश और फास्ट-ट्रैक परीक्षण:** तीन साल तक की सजा वाले अपराधों के लिए सारांश परीक्षणों को प्रोत्साहित किया जाता है, जो सभी मामलों में से लगभग 40% को अधिक तेज़ी से हल कर सकता है।
- **अनुपस्थिति में मुकदमा:** घोषित भगोड़े या घोषित अपराधियों पर अब मुकदमा चलाया जा सकता है और सजा सुनाई जा सकती है, भले ही वे फरार हों।

- पुनर्गठित न्यायालय पदानुक्रम: BNSS मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेटों की विशिष्ट भूमिका को हटाकर अदालत की संरचना को सरल बनाता है।
- न्यायिक जांच: हिरासत में होने वाली मौतों या पुलिस मुठभेड़ों से जुड़े सभी मामलों में न्यायिक जांच अब अनिवार्य है।
-

❖ भारती समीक्षा अचिकित्सम् (बीएसए), 2023:

- **प्रतिस्थापन :** भारतीय साक्ष्य अधिनियम (IEA), 1872
- **कुल धाराएं:** 170 (24 संशोधित, 2 नए, 6 निरस्त)
- **उद्देश्य:** डिजिटल प्रौद्योगिकी, फोरेंसिक विज्ञान और पारदर्शिता के अनुरूप भारत के साक्ष्य कानून का आधुनिकीकरण करना, यह सुनिश्चित करना कि भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों साक्ष्य विश्वसनीय और सत्यापन योग्य बने रहें।

❖ प्रमुख विशेषताएं:

1. डिजिटल साक्ष्य का एकीकरण:

- **डिजिटल रिकॉर्ड के लिए समान स्थिति:** इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड - जिसमें ईमेल, एसएमएस, व्हाट्सएप चैट, सीसीटीवी फुटेज और क्लाउड लॉग शामिल हैं - को अब कागजी दस्तावेजों के समान कानूनी स्थिति के साथ प्राथमिक साक्ष्य के रूप में माना जाता है।
- **"दस्तावेज़" की विस्तारित परिभाषा:** किसी दस्तावेज़ की परिभाषा को स्पष्ट रूप से इलेक्ट्रॉनिक डेटा, डिजिटल छवियों और रिकॉर्डिंग को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है।
- **डिजिटल प्रमाणीकरण:** मेटाडेटा, हैश वैल्यू और डिजिटल फुटप्रिंट के माध्यम से सत्यापन को शामिल करने के लिए प्रमाणीकरण नियमों को अपडेट किया गया है, जो साइबर अपराध जांच के लिए महत्वपूर्ण हैं।

2. प्रक्रियात्मक आधुनिकीकरण :

- **आभासी गवाही:** गवाहों को अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने की अनुमति है, जिसका उद्देश्य न्याय की गति में सुधार करना और कमजोर गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- **विशेषज्ञ गवाही:** अदालत द्वारा मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों की सीमा को पारंपरिक चिकित्सा और लिखावट विश्लेषकों के साथ-साथ साइबर विश्लेषकों, फोरेंसिक विशेषज्ञों और आवाज विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए व्यापक बनाया गया है।

- **संयुक्त परीक्षण:** बीएसए संयुक्त परीक्षणों के लिए प्रावधान पेश करता है जहां एक ही अपराध के लिए कई व्यक्तियों पर एक साथ मुकदमा चलाया जा सकता है, और अभियुक्तों में से एक फरार होने पर भी मुकदमा जारी रह सकता है।

3. मूल सिद्धांतों को बनाए रखना :

- **स्वीकार्यता नियम:** अधिनियम मूलभूत सिद्धांतों को बरकरार रखता है जैसे कि केवल कानूनी रूप से अनुमेय साक्ष्य को अदालत में प्रस्तुत करने की अनुमति देना।
- **पुलिस स्वीकारोक्ति:** स्वीकारोक्ति के संबंध में नियम काफी हद तक अपरिवर्तित रहते हैं; पुलिस अधिकारियों के सामने किए गए स्वीकारोक्ति आम तौर पर **अस्वीकार्य होते** हैं जब तक कि मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज न किया जाए।
- **हिरासत से तथ्य:** "हिरासत की श्रृंखला" प्रोटोकॉल छेड़छाड़ को रोकने के लिए भौतिक और डिजिटल दोनों साक्ष्य के लिए एक प्रलेखित निशान को अनिवार्य करता है।

4. संरचनात्मक परिवर्तन :

- **धारा संशोधन:** 170 धाराओं में से **24 को बदल दिया गया, 2 को जोड़ा गया, और 6 को भारतीय साक्ष्य अधिनियम की मूल 167 धाराओं से निरस्त कर दिया गया।**
- **फॉरेंसिक जनादेश:** साक्ष्य की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, **सात साल या उससे अधिक कारावास के दंडनीय अपराधों के लिए** फॉरेंसिक जांच अब अनिवार्य है।

5. उल्लेखनीय चिंताएँ:

- **छेड़छाड़ जोखिम:** सूत्रों ने ध्यान दिया कि डिजिटल रिकॉर्ड हेरफेर के प्रति संवेदनशील रहते हैं, और कुछ आलोचकों का तर्क है कि प्रमाणन नियम अभी भी विरोधाभासी हो सकते हैं।
- **कस्टोडियल सुरक्षा उपाय:** कुछ विश्लेषकों का कहना है कि जबरन स्वीकारोक्ति और हिरासत में यातना के **खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपायों के बारे में पहले की सिफारिशों** को नए अधिनियम में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया था।

इस दस्तावेज़ का अनुवाद स्वचालित सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके किया गया है और इसमें अशुद्धियाँ हो सकती हैं। कृपया हमें किसी भी त्रुटि के बारे में सूचित करें। **अंग्रेजी संस्करण को मूल के रूप में देखें।**

❖ **हाल ही में एसएससी परीक्षाओं में पूछे गए महत्वपूर्ण प्रश्न**

प्रश्न 1. भारतीय न्याय संहिता, 2023 (BNS) की धारा 106(2) के तहत 'हिट एंड रन' मामलों के संबंध में, यदि कोई अपराधी तेज गति से और लापरवाही से गाड़ी चलाने से मौत का कारण बनता है और 'पुलिस अधिकारी' या मजिस्ट्रेट को सूचित करने में विफल रहता है तो अधिकतम सजा क्या है?

- a) 10 साल तक की कैद और जुर्माना
- b) आजीवन कारावास
- c) 7 साल तक की कैद और जुर्माना
- d) 5 साल तक की कैद और जुर्माना

उत्तर: (A) 10 साल तक की कैद और जुर्माना

प्रश्न 2. भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023 के तहत, बिक्री के लिए भोजन या पेय पदार्थों में मिलावट करने पर छह महीने तक की कैद की सजा है। कौन सा विशेष कानून असुरक्षित भोजन के निर्माण या बिक्री के लिए आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान करता है?

- a) खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954
- b) खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006
- c) आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955
- d) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019

उत्तर: (B) खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006

प्रश्न 3. भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023 के अनुसार, विशिष्ट पहचान-आधारित आधार पर मॉब लिंचिंग के कारण हुई हत्या के लिए क्या सजा है?

- | | |
|----------------------|----------------------------|
| a) सात साल तक की कैद | c) आजीवन कारावास या मृत्यु |
| b) दस साल तक की कैद | d) सामुदायिक सेवा |

उत्तर: (c) आजीवन कारावास या मृत्यु

प्रश्न 4. भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 के तहत, एक चिकित्सक को कितने दिनों के भीतर बलात्कार पीड़िता की चिकित्सा जांच रिपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपनी होगी?

- | | |
|-------------|------------|
| a) तीन दिन | c) सात दिन |
| b) पांच दिन | d) दस दिन |

उत्तर: (c) सात दिन

प्रश्न 5. भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 के तहत न्यायिक हिरासत के शुरुआती हिस्से के दौरान किस्तों में पुलिस हिरासत की अनुमति देने से आरोपी पर क्या व्यावहारिक प्रभाव पड़ सकता है?

- a) अग्रिम जमानत का स्वतः जारी करना
- b) पूरे साठ या नब्बे दिनों की अवधि के लिए जमानत से इनकार
- c) पंद्रह दिनों के बाद अनिवार्य निर्वहन
- d) जमानत पर तत्काल रिहाई उत्तर : (b)

प्रश्न 6. भारतीय साक्ष्य अधिनियम (2023) में कितने खंड शामिल हैं?

- a) 120 खंड
- b) 170 खंड
- c) 200 अनुभाग
- d) 250 खंड

उत्तर: (b) 170 खंड

प्रश्न 7. भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 के अनुसार, अब जांच के दौरान लिखावट और उंगलियों के निशान के साथ किस अतिरिक्त प्रकार का नमूना एकत्र किया जा सकता है?

- a) बालों के नमूने
- b) आवाज के नमूने
- c) रक्त समूह
- d) डीएनए प्रोफाइल

उत्तर: (b) आवाज के नमूने

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन सा प्राधिकरण नए कानून के तहत साइबर अपराधों की जांच करने के लिए सशक्त है?

- (a) केवल स्थानीय पुलिस स्टेशन
- (b) निजी अन्वेषक
- (c) इंटरनेट सेवा प्रदाता (ISP)
- (d) सरकार द्वारा स्थापित साइबर अपराध जांच प्रकोष्ठ

उत्तर: (d)

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत परिभाषित एक नया अपराध है?

- (a) आपराधिक धमकी
- (b) व्यभिचार
- (c) आतंकवादी कृत्य
- (d) राजद्रोह

उत्तर: (c)

प्रश्न 10. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत, यौन अपराधों के संबंध में आपराधिक कानून में पहली बार निम्नलिखित में से किस पर जोर दिया गया है?

- (a) दंडनीय अपराध के रूप में वैवाहिक बलात्कार
- (b) सहमति को स्पष्ट रूप से परिभाषित और दर्ज किया जाना चाहिए

- (c) बलात्कार के सभी मामलों के लिए मृत्युदंड
- (d) यौन उत्पीड़न की परिभाषाओं में लैंगिक तटस्थता

उत्तर: (d)

Q.11 BSA के तहत, परीक्षण में विशेषज्ञ की राय का क्या मूल्य है?

- (a) प्रकृति में सलाहकार, लेकिन प्रेरक मूल्य रखता है
- (b) केवल सिविल परीक्षणों में उपयोग किया जाता है
- (c) निर्णायक प्रमाण के रूप में माना जाता है
- (d) न्यायालय द्वारा अनदेखा किया गया

उत्तर: (a)

Q.12 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत, प्रत्येक पुलिस स्टेशन को कौन सा डिजिटल रजिस्टर रखना चाहिए?

- (a) अपराध सूचकांक
- (b) अपराध रजिस्ट्री
- (c) ई-एफआईआर लॉग
- (d) दैनिक केस रजिस्टर

उत्तर: (d)

Q.13 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अनुसार, "जमानत बांड" शब्द का क्या अर्थ है?

- a) पुलिस द्वारा एक आरोपी को अस्थायी हिरासत देने का आदेश जारी किया गया है।
- b) एक जमानत के साथ रिलीज के लिए एक उपक्रम।
- c) बिना किसी कानूनी समर्थन के अच्छे व्यवहार का व्यक्तिगत वादा।
- d) मुकदमे को निलंबित करने के लिए पुलिस और आरोपी के बीच एक समझौता।

उत्तर: (a)

Q.14 1860 में भारतीय दंड संहिता (IPC) की शुरुआत का उद्देश्य था:

- a) ब्रिटिश भारत में आपराधिक कानूनों को संहिताबद्ध और मानकीकृत करें।
- b) पारंपरिक भारतीय कानूनी प्रणालियों को बढ़ावा देना।
- c) विवादों को हल करने में ग्राम अदालतों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करना।
- d) विशेष रूप से ब्रिटिश शासक वर्ग के हितों की रक्षा करना।

उत्तर: (a)

Q.15 भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 के तहत निम्नलिखित में से किस अपराध को नए और स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है?

- a) मॉब लिंगिंग
- b) मानहानि
- c) चोरी
- d) धोखा देना

उत्तर: (a)

Q.16 गंभीर मामलों की प्रारंभिक जांच के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत मजिस्ट्रेट को कौन सी नई शक्ति दी गई है?

- a) सीधे डेथ वारंट जारी करने की शक्ति।
- b) 7 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले मामलों में प्रारंभिक जांच का निर्देश देने की शक्ति।
- c) पुलिस को सुने बिना अग्रिम जमानत देने की शक्ति।
- d) अपने स्वयं के प्रस्ताव पर एफआईआर को रद्द करने की शक्ति।

उत्तर: (b)

Q.17 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) एक आपराधिक मुकदमे में दलीलों के समापन के बाद निर्णय सुनाने के लिए एक विशिष्ट समय सीमा प्रस्तुत करती है। यह समय सीमा क्या है?

- a) 7 दिनों के भीतर
- b) 15 दिनों के भीतर
- c) 30 दिनों के भीतर (45 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है)
- d) 60 दिनों के भीतर

उत्तर: (c)

प्र.18 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) कुछ परिस्थितियों में अभियुक्त की अनुपस्थिति में मुकदमे को आगे बढ़ाने की अनुमति देती है। यह प्रावधान विशेष रूप से इन पर लागू होता है:

- a) कोई भी आरोपी व्यक्ति जो उपस्थित होने में विफल रहता है।
- b) केवल विदेशी नागरिक।
- c) फरार घोषित अपराधी।
- d) आरोपी व्यक्ति जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

उत्तर: (c)

Q.19 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 के तहत एक संक्षिप्त परीक्षण में कारावास की अधिकतम अवधि क्या दी जा सकती है, भले ही अपराध के लिए निर्दिष्ट सजा कुछ भी हो?

- a) 1 महीना
- b) 3 महीने
- c) 12 महीने
- d) 24 महीने

उत्तर: (b)

Q.20 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) आपराधिक न्याय में प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत करती है। इनमें से कौन सा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) द्वारा अनिवार्य एक प्रमुख तकनीकी एकीकरण है?

- a) जांच के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनिवार्य उपयोग।

- b) तलाशी और जब्ती अभियानों और अपराध स्थलों की वीडियोग्राफी।
- c) रोबोट-सहायता प्राप्त पुलिसिंग।
- d) स्वचालित निर्णय वितरण प्रणाली।

उत्तर: (b)

Q.21 निम्नलिखित में से किसे BSA, 2023 के तहत प्रवेश माना जाता है?

- (a) अदालत में दोहराई गई अफवाह
- (b) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दिया गया बयान जो मामले में शामिल नहीं है
- (c) किसी तथ्य को स्वीकार करते हुए किसी पक्ष द्वारा स्वैच्छिक वक्तव्य
- (d) दबाव में दिया गया एक बयान

Q.22 BSA 2023 के तहत पुलिस अधिकारियों के सामने दिए गए स्वीकारोक्ति का क्या महत्व है?

- (a) केवल यातायात मामलों में स्वीकार्य
- (b) स्वचालित रूप से निर्णय के रूप में उपयोग किया जाता है
- (c) पूरी तरह से स्वीकार्य
- (d) अग्राह्य जब तक कि मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में न किया जाए

उत्तर: (d)

Q.23 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अनुसार, न्यायालय द्वारा जारी किए गए प्रत्येक समन को कैसे प्रारूपित किया जाना चाहिए?

- (a) डुप्लिकेट, हस्ताक्षरित और सील या एन्क्रिप्टेड डिजिटल फॉर्म के माध्यम से भेजा गया
- (b) केवल हस्तलिखित और न्यायालय से व्यक्तिगत दूत के माध्यम से भेजा गया
- (c) न्यायालय के एक अधिकारी द्वारा दिए गए मौखिक निर्देश
- (d) पुलिस स्टेशन के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित सीलबंद लिफाफा

उत्तर: (a)

प्रश्न 24. भारतीय न्याय संहिता (BNS) मानहानि की सजा के लिए क्या नया प्रावधान लाती है?

- a) जुर्माने के साथ या बिना जुर्माने के 5 साल तक की कैद।
- b) 1 वर्ष तक की कैद और अनिवार्य सामुदायिक सेवा।
- c) सामुदायिक सेवा के विकल्प के साथ 2 साल तक की कैद, जुर्माना, या दोनों।
- d) जुर्माने के साथ या बिना जुर्माने के आजीवन कारावास।

उत्तर: (c)

प्रश्न 25. निम्नलिखित में से कौन सा छोटा अपराध अब भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 के तहत सजा के रूप में सामुदायिक सेवा के लिए योग्य है?

- a) हत्या
- b) मानहानि
- c) आतंकवाद
- d) मनी लॉन्ड्रिंग **उत्तर: (b)**

प्रश्न 26. 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' (BNSS) अब 'जीरो एफआईआर' की अनुमति देता है। जीरो एफआईआर का मुख्य लाभ क्या है?

- a) इसमें शून्य पैसा खर्च होता है
- b) इसे शुरू करने के लिए शून्य साक्ष्य की आवश्यकता होती है
- c) इसे किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध का स्थान कुछ भी हो
- d) इसके लिए हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है **उत्तर: (c)**

प्रश्न 27. भारतीय न्याय संहिता, 2023 (BNS) के तहत, अपराध के लिए उकसाने के लिए किसे उत्तरदायी ठहराया जा सकता है?

- a) केवल एक व्यक्ति जो शारीरिक रूप से मदद करता है
- b) कोई भी जो अपराध में सहायता, सलाह या उकसाता है
- c) केवल वे व्यक्ति जो घटनास्थल पर मौजूद हैं
- d) केवल वह व्यक्ति जो सीधे अपराध करता है

उत्तर: (b)

प्रश्न 28. दिसंबर 2023 में, भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता ने राजद्रोह के अपराध को हटा दिया और इसे निम्नलिखित में से किस अधिनियम से संबंधित एक नए अपराध के साथ बदल दिया?

- a) सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कार्य
- b) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्य
- c) प्रशासनिक दक्षता को प्रभावित करने वाले कार्य
- d) सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले कार्य

उत्तर: (b)

प्रश्न 29. भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023 में, संगठित अपराध को अपराध के रूप में मान्यता दी जाती है जब अपराध निम्नलिखित में से किसकी ओर से किया जाता है?

- a) एक व्यापार संघ
- b) एक पंजीकृत दान
- c) एक अपराध सिंडिकेट
- d) एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी

प्रश्न 30. भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत, किस प्रकार के साक्ष्य को अब प्राथमिक साक्ष्य के बराबर माना जाता है?

a) डिजिटल साक्ष्य

c) सुनी-सुनाई बातों के साक्ष्य

b) मौखिक गवाही

d) परिस्थितिजन्य साक्ष्य

उत्तर: (a) डिजिटल साक्ष्य

प्रश्न 31. भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, 2023 एक बच्चे को किस उम्र से कम उम्र के व्यक्ति के रूप में परिभाषित करती है?

a) सोलह वर्ष

c) अठारह वर्ष

b) सत्रह वर्ष

d) इक्कीस वर्ष

उत्तर: (c) अठारह वर्ष

प्रश्न 32. अभिकथन (A): भारतीय न्याय संहिता में सजा के रूप में 'सामुदायिक सेवा' के लिए एक विशिष्ट प्रावधान शामिल है। कारण (R): इस सुधार का उद्देश्य छोटे-मोटे अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा शुरू करके जेल के समय को कम करना है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: (a)

प्रश्न 33. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत, मजिस्ट्रेट की मंजूरी के बिना किसी संदिग्ध को कितने समय तक हिरासत में रखा जा सकता है?

(a) 24 घंटे

(c) 72 घंटे

(b) 48 घंटे

(d) 12 घंटे

उत्तर: (a)

प्रश्न 34. भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत, यदि कोई व्यक्ति ₹10,000 से अधिक का जुर्माना भरने में विफल रहता है तो साधारण कारावास की अधिकतम अवधि क्या है ?

a) दो महीने

c) छह महीने

b) चार महीने

d) एक वर्ष

उत्तर: (b)

प्रश्न 35. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के किस अध्याय के तहत, आपराधिक अदालतों जैसे सत्र न्यायालयों, न्यायिक मजिस्ट्रेट और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की श्रेणियों को परिभाषित किया गया है?

a) अध्याय I

c) अध्याय III

b) अध्याय II

d) अध्याय IV

उत्तर: (b)

प्रश्न 36. इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से संबंधित भारतीय साक्ष्य अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता क्या है?

- (a) इसमें इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं हैं।
- (b) यह डिजिटल दस्तावेजों के नोटरीकरण को अनिवार्य करता है।
- (c) यह कानूनी कार्यवाहियों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को मान्यता देता है।
- (d) यह इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के उपयोग को सीमित करता है।

उत्तर: (c)

Q.37 भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 में, महिलाओं के खिलाफ अपराधों के संबंध में पहली बार निम्नलिखित में से कौन सा प्रावधान पेश किया गया है?

- (a) घरेलू हिंसा के लिए दंड के रूप में सामुदायिक सेवा को शामिल करना।
- (b) 18 वर्ष से कम आयु की महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के मामलों में मृत्युदंड का प्रावधान।
- (c) वैवाहिक बलात्कार का वैधीकरण।
- (d) यौन गतिविधियों के लिए सहमति की आयु को घटाकर 16 वर्ष करना।

उत्तर: (b)

Q.38 भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

- (a) मौखिक साक्ष्य दस्तावेजी साक्ष्य की तुलना में अधिक महत्व रखता है।
- (b) डिजिटल रिकॉर्ड के लिए पूरक पेपर प्रलेखन की आवश्यकता होती है।
- (c) इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को दस्तावेजी साक्ष्य के बराबर माना जाता है।
- (d) सुनी-सुनाई साक्ष्य हमेशा स्वीकार्य होती है।

उत्तर: (c)

प्रश्न 39. भारतीय न्याय संहिता (BNS) की किस धारा के तहत 'लिंग' को समावेशी तरीके से परिभाषित किया गया है, जिसमें पुरुष, महिला और ट्रांसजेंडर शामिल हैं?

- | | |
|--------------|---------------|
| a) धारा 2(3) | c) धारा 2(10) |
| b) धारा 2(5) | d) धारा 2(8) |

उत्तर: (c) धारा 2 (10)

प्रश्न 40. कौन सा भारतीय कानून साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा और डिजिटल हस्ताक्षर जैसे शब्दों को परिभाषित करता है, जिन्हें भारतीय न्याय संहिता (BNS) में संदर्भित किया गया है?

- a) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
- b) भारतीय दंड संहिता, 1860

c) राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल अधिनियम

d) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 **उत्तर: (a)**

प्रश्न 41. भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 के तहत, एक सत्र अदालत को ऐसे आरोपों पर पहली सुनवाई से कितने दिनों के भीतर आरोप तय करने होंगे?

a) तीस दिन

c) साठ दिन

b) पैंतालीस दिन

d) पचास दिन

उत्तर: (c)

प्रश्न 42. भारतीय न्याय संहिता, 2023 (BNS) के तहत मॉब लिंग के परिणामस्वरूप मौत के लिए अधिकतम सजा क्या है?

a) 7 साल तक की सजा, मौत की सजा या आजीवन कारावास

b) 10 साल की कैद

c) केवल आजीवन कारावास

d) 14 साल की कैद

उत्तर: (a)

प्रश्न 43. निम्नलिखित औपनिवेशिक युग के अपराधों में से किस को भारतीय न्याय संहिता, 2023 (BNS) में हटा दिया गया था, और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित एक नए अपराध के साथ बदल दिया गया था?

a) राजद्रोह

c) दंगा

b) राजद्रोह

d) ईशनिंदा

उत्तर: (a) राजद्रोह

प्रश्न 44. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत, आरोपी को गिरफ्तारी के आधार के बारे में कब सूचित किया जाना चाहिए?

a) परीक्षण के बाद

c) गिरफ्तारी से पहले

b) गिरफ्तारी के तुरंत बाद

d) केवल अगर वे पूछते हैं

उत्तर: (b) गिरफ्तारी के तुरंत बाद

प्रश्न 45. भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 द्वारा पेश की गई सजा का कौन सा नया रूप है, जिसका उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए दोषियों को जेल से बाहर रखना है?

a) एकान्त कारावास

b) सामुदायिक सेवा

c) कम अपराधों के लिए मृत्युदंड

d) जुर्माना और प्रतिशोध उत्तर: (b) सामुदायिक सेवा

प्रश्न 46. भारतीय दंड संहिता (IPC), 1860 की तुलना में भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 में कितने अध्याय और धाराएँ हैं?

a) 25 अध्याय, 400 खंड

c) 30 अध्याय, 500 खंड

b) 20 अध्याय, 358 खंड

d) 18 अध्याय, 450 खंड

उत्तर: (b) 20 अध्याय, 358 खंड

प्रश्न 47. रिक्त स्थान भरें: भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रौद्योगिकी-आधारित साक्ष्य के प्रावधानों को शामिल करके _____ का आधुनिकीकरण करता है।

(a) नागरिक कानून

(c) उपभोक्ता कानून

(b) साक्ष्य कानून

(d) कर कानून

उत्तर: (b)

प्रश्न 48. भारतीय न्याय संहिता का कौन सा प्रावधान महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर केंद्रित है?

(a) अध्याय III

(c) अध्याय VII

(b) अध्याय V

(d) अध्याय IX

उत्तर: (b)

प्रश्न 49. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. यह अधिनियम अदालतों पर लागू होता है, जिसमें कोर्ट-मार्शल भी शामिल है, लेकिन हलफनामे और मध्यस्थता को शामिल नहीं किया गया है। 2. "दस्तावेज़" में ईमेल, सर्वर लॉग और स्मार्टफोन संदेश शामिल हैं। 3. पुलिस अधिकारियों के सामने स्वीकारोक्ति बिना किसी प्रतिबंध के स्वीकार्य है। 4. 1872 के साक्ष्य अधिनियम को निरस्त कर दिया गया है, लेकिन लंबित मामले पुराने कानून का पालन करते हैं।

(a) केवल 1, 2, और 3

(c) केवल 2, 3 और 4

(b) केवल 1, 2 और 4

(d) 1, 2, और 3 सभी सही हैं

उत्तर: (b)

प्रश्न 50. आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम, 2022 के तहत दी गई कौन सी शक्ति अपने पूर्ववर्ती से परे है?

(a) बायोमेट्रिक और जैविक डेटा के संग्रह की अनुमति देना

(b) पहचान प्रक्रियाओं को केवल दोषियों तक ही सीमित रखना

(c) संग्रहीत डेटा तक कानून प्रवर्तन पहुंच को सीमित करना

(d) अपराध की जांच के लिए केवल उंगलियों के निशान की अनुमति देना

उत्तर: (a)

प्रश्न 51. बीएनएस के संबंध में: 1. यह मामूली अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का परिचय देता है। 2. सारांश परीक्षणों का दायरा केवल गंभीर अपराधों तक सीमित रहा है। 3. सुधारात्मक दृष्टिकोण का उद्देश्य सामाजिक पुनर्एकीकरण सुनिश्चित करना है।

(a) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(b) केवल 1 और 3

(d) 1, 2, और 3 सभी सही हैं

उत्तर: (b)

प्रश्न 52. अभिकथन (A): भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, ई-फाइलिंग और वर्चुअल ट्रायल को बढ़ावा देती है। कारण (R): प्रौद्योगिकी के एकीकरण का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करना है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

(c) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(d) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

उत्तर: (a)

प्रश्न 53. POCSO अधिनियम के तहत अपराध के लिए उकसाने के लिए क्या सजा है?

(a) अपराध के समान सजा

(c) कोई सजा नहीं

(b) अपराध के लिए निर्धारित सजा का आधा

(d) सामुदायिक सेवा

उत्तर: (a)

प्रश्न 54. BSA, 2023 के अनुसार, अधिनियम के तहत निम्नलिखित में से कौन सा लागू नहीं है?

(a) जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष सुनवाई

(b) न्यायालय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र

(c) सैन्य न्यायालय के समक्ष परीक्षण (कोर्ट-मार्शल)

(d) सिविल जज कोर्ट के समक्ष कार्यवाही

उत्तर: (b)

प्रश्न 55. BSA, 2023 के अध्याय V के तहत, कौन सा प्राथमिक साक्ष्य के रूप में योग्य है?

(a) एक समकक्ष दस्तावेज जो किसी एक पक्ष द्वारा निष्पादित किया जाता है

(b) एक क्लर्क द्वारा हस्ताक्षरित एक फोटोकॉपी

(c) बाद में तैयार किया गया हस्तलिखित सारांश

(d) मूल दस्तावेज की टाइप की गई प्रति

उत्तर: (a)

प्रश्न 56. BNSS, 2023 के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के मुकदमे की सुनवाई जहां तक संभव हो, निम्नलिखित द्वारा की जाएगी:

- (a) किसी भी पुलिस अधिकारी रैंक के डीएसपी और उससे ऊपर
- (b) एक पुरुष न्यायाधीश के अधीन उच्च न्यायालय
- (c) कार्यकारी मजिस्ट्रेट
- (d) एक महिला की अध्यक्षता वाली अदालत **उत्तर: (d)**

प्रश्न 57. BNSS के तहत, "इलेक्ट्रॉनिक संचार" को सबसे अच्छी तरह से क्या परिभाषित करता है?

- (a) फोन या कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके प्रसारित कोई भी जानकारी
- (b) केवल सुरक्षित सरकारी नेटवर्क के माध्यम से वीडियो कॉल
- (c) मैनुअल रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोनिक बातचीत
- (d) केवल लिखित दस्तावेजों के माध्यम से भेजे गए मौखिक संदेश **उत्तर: (a)**

प्रश्न 58. BNSS के तहत, यदि किसी व्यक्ति को कई अपराधों के लिए दोषी ठहराया जाता है तो अदालत क्या कर सकती है?

- (a) केवल एक दंड लगाएं
- (b) केवल कठोर से कठोर दंड दें
- (c) सभी वाक्यों को निलंबित करना
- (d) समवर्ती या लगातार चलने के लिए दंड लागू करना

उत्तर: (d)

प्रश्न 59. BNSS के तहत, कुल पुलिस हिरासत की अधिकतम अवधि क्या है?

- (a) 30 दिन
- (b) 60 दिन
- (c) 90 दिन
- (d) 15 दिन (भागों में मांगा जा सकता है)

उत्तर: (d)

प्रश्न 60. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत निम्नलिखित में से कौन सा अनिवार्य प्रक्रियात्मक परिवर्तन है?

- (a) अपराध की धारणा
- (b) तलाशी और जब्ती की वीडियो-रिकार्डिंग
- (c) जमानत अधिकारों का हनन
- (d) आईपीसी की सभी धाराओं को बदलना

उत्तर: (b)

प्रश्न 61. भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) निम्नलिखित दंडनीय अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र करने का आदेश देता है:

(a) 1 वर्ष या उससे अधिक

(c) 7 वर्ष या उससे अधिक

(b) 3 वर्ष या उससे अधिक

(d) केवल मृत्युदंड

उत्तर: (c)

प्रश्न 62. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की कौन सी धारा तलाशी और जब्ती कार्यों की वीडियो-रिकॉर्डिंग को अनिवार्य करती है?

(a) धारा 50

(c) धारा 105

(b) धारा 62

(d) धारा 176

प्रश्न 63. भारतीय न्याय संहिता (BSA) निम्नलिखित से संबंधित प्रावधानों को समेकित करती है:

(a) सिविल प्रक्रिया कानून

(c) साक्ष्य कानून

(b) आपराधिक मूल कानून

(d) प्रशासनिक कानून

उत्तर: (b)

प्रश्न 64. BSA के तहत, पुलिस हिरासत में एक स्वीकारनामे केवल तभी स्वीकार्य है जब किया गया हो:

(a) एक वकील की उपस्थिति में

(c) वीडियो पर

(b) एक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में

(d) 24 घंटे के बाद

उत्तर: (b)

प्रश्न 65. BNS में, "आतंकवादी कृत्य" को निम्नलिखित परिभाषित किया गया है:

(a) धारा 152

(c) धारा 124

(b) धारा 113

(d) धारा 100

उत्तर: (b)

प्रश्न 66. BNS के तहत, "संगठित अपराध" के अंतर्गत आते हैं:

(a) धारा 120

(c) धारा 115

(b) धारा 111

(d) धारा 100

उत्तर: (b)

प्रश्न 67. BNSS का आदेश है कि फॉरेंसिक विशेषज्ञों को दंडनीय अपराधों के लिए अपराध स्थल का दौरा करना चाहिए:

(a) 3 वर्ष या उससे अधिक

(c) 7 वर्ष या उससे अधिक

(b) 5 वर्ष या उससे अधिक

(d) कोई अपराध

उत्तर: (c)

प्रश्न 68. BSA के तहत, "डिजिटल हस्ताक्षर" को इस प्रकार माना जाता है:

- | | |
|---------------------------------|---------------------------|
| (a) अग्राह्य | (c) केवल द्वितीयक साक्ष्य |
| (b) एक भौतिक हस्ताक्षर के बराबर | (d) सुनी-सुनाई बातें |

उत्तर: (b)

प्रश्न 69. BNSS के तहत, दलीलें पूरी होने के कितने दिनों के भीतर निर्णय दिया जाना चाहिए?

- | | |
|--------------------------------------|------------|
| (a) 15 दिन | (c) 60 दिन |
| (b) 30 दिन (45 तक बढ़ाया जा सकता है) | (d) 90 दिन |

उत्तर: (b)

प्रश्न 70. BNSS के तहत, पीड़ित के लिए एफआईआर की प्रति प्राप्त करने की समयसीमा क्या है?

- | | |
|---------------------|--|
| (a) 24 घंटे के भीतर | (c) निःशुल्क, तत्काल |
| (b) 48 घंटे के भीतर | (d) मामूली शुल्क का भुगतान करने के बाद |

उत्तर: (c)

प्रश्न 71. "शून्य एफआईआर" यहां दर्ज की जा सकती है:

- (a) वह पुलिस स्टेशन जहां अपराध हुआ था
- (b) कोई भी पुलिस स्टेशन, चाहे वह किसी भी क्षेत्र का हो
- (c) केवल जिला मुख्यालय
- (d) केवल एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से

उत्तर: (b)

प्रश्न 72. BNS के तहत, "क्षुद्र संगठित अपराध" को निम्नलिखित परिभाषित किया गया है:

- | | |
|--------------|--------------|
| (a) धारा 101 | (c) धारा 112 |
| (b) धारा 111 | (d) धारा 150 |

उत्तर: (c)

प्रश्न 73. BNS के तहत, आपराधिक जिम्मेदारी की उम्र है:

- | | |
|--------------------------------|----------------------|
| (a) 7 वर्ष | (c) 18 वर्ष |
| (b) 12 वर्ष (परिपक्वता के साथ) | (d) दोनों (a) और (b) |

उत्तर: (d)

प्रश्न 74. BNS में "राजद्रोह" शब्द को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था:

- (a) राजद्रोह

(b) संप्रभुता और एकता को खतरे में डालने वाले कार्य

(c) राष्ट्र-विरोधी गतिविधियाँ

(d) सार्वजनिक अव्यवस्था

उत्तर: (b)

प्रश्न 75. BNSS के तहत, एक सर्च वारंट जारी किया जा सकता है:

(a) केवल उच्च न्यायालय

(c) एक पुलिस उप-निरीक्षक

(b) एक मजिस्ट्रेट

(d) एक सरपंच

उत्तर: (b)

प्रश्न 76. BNS के तहत मानहानि के लिए अधिकतम कारावास क्या है?

(a) 5 वर्ष

(c) 1 वर्ष

(b) 2 वर्ष (या सामुदायिक सेवा)

(d) केवल जुर्माना

उत्तर: (b)

प्रश्न 77. भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) का एक प्रमुख फोकस 'दस्तावेजों' के दायरे को व्यापक बनाना है जिसमें शामिल हैं:

a) केवल कागज-आधारित रिकॉर्ड

b) इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, जिसमें ईमेल, सर्वर लॉग और डिजिटल हस्ताक्षर शामिल हैं

c) केवल प्रमाणित सार्वजनिक रिकॉर्ड

d) मौखिक गवाही मैनुअल रूप से लिखित

उत्तर: (b)

प्रश्न 78. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 के अनुसार कौन सा अपराध न्यूनतम 3 साल की कैद से दंडनीय है, जिसे जुर्माने के साथ 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है, और प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है?

a) नाबालिग का अपहरण

b) अपराध करने के लिए बच्चे को काम पर रखना या संलग्न करना

c) 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चे को छोड़ना

d) भीख मांगने के लिए बच्चे का उपयोग करना

उत्तर: (b)

TO GET EXTRA DISCOUNTS ON TESTBOOK, OLIVEBOARD & RBE MOCK TESTS

USE OUR CODE: BABA

➤ All CGL Idioms Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6605

➤ All CGL OWS Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6737

- All CGL Antonyms Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6609
- All CGL Synonyms Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6617
- All CGL Spellings Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6620
- All Vocabs SSC Exams 2025 : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6662
- SSC CGL All Vocabs Last 5 Years : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6690
- SSC CGL All Error Last 5 Years : https://t.me/Inspectorbaba_Official/1554
- Crux of 5000+ SYNO/ANTO : https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6782
- Crux of 3000+ OWS - https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6737
- Crux of 3000+ Spellings - https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6705
- 200 Most Repeated Phrasal Verb - https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6695
- Crux of 2500+ Idioms - https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6746
- Top 250+ Fixed Prepositions - https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES/6712
- Complete Vocab – CGL 2021 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/569
- Complete Vocab – CGL 2022 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/566
- Complete Vocab – CGL 2023 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/528
- Complete Vocab – CGL 2024 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/512
- Complete Vocab – CGL 2025 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/1047
- Complete Vocab – CHSL 2025 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/1184
- Complete Vocab - DP HCM 2025 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/1413
- Complete Vocab - SSC Steno 2025 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/881
- Complete Vocab – CPO 2025 Tier-1 : https://t.me/Inspectorbaba_Official/1299

For more such relevant PDFs,

JOIN - https://t.me/Inspectorbaba_Official

YouTube –

<https://youtube.com/@inspectorbabaofficial>

For All Important SSC Updates Join –

https://t.me/SSC_EXAMS_UPDATES